पाठ चार 4
वीर मालवजी

Rajshree
PAGE NO:
DATE:

मौखिक प्रश्न

प्रश्न 1 इस एकांकी में कितने पात्र हैं ? उनके नाम बताइए ?

उत्तर इस एकांकी में चार पात्र हैं। शिवाजी, तानाजी, मालवजी और दरबान।

प्रश्न 2 मालवजी किस पर वार करने के लिए हाथ उठाता है ?

उत्तर मालवजी शिवाजी पर वार करने के लिए हाथ उठाता है।

प्रश्न 3 कौन मालवजी का हाथ पकड़ लेता है ?

उत्तर तानाजी मालवजी का हाथ पकड़ लेता है।

प्रश्न 4 शिवाजी को मालवजी की चाल-ढाल से क्या मालूम हुआ ?

उत्तर शिवाजी को मालवजी की चाल-ढाल से मालूम हुआ कि वह साहसी, वीर एंव सत्यवादी है।

प्रश्न 5 मालवजी शिवाजी की हत्या करने क्यों गया था ?

उत्तर मालवजी और उसकी माँ को तीन महीने से पेट भर अन्न मिलना दूभर हो रहा था तब एक यवन ने शिवाजी का वध करने पर इनाम देने की बात कही तो वह शिवाजी की हत्या करने के लिए गया था।

प्रश्न 6 शिवाजी उस बालक के साथ कैसा बरताव करने की सोच रहे थे?

उत्तर शिवाजी बालक की परीक्षा लेने के पश्चात उसे मृत्यु दंड से मुक्त कर अपनी सेना में भरती करने की सोच रहे थे।

प्रश्न 7 शिवाजी ने किसका आभार माना और क्यों?

उत्तर शिवाजी ने तानाजी का आभार माना क्योंकि उन्होंने उनकी जान बचाई थी।

प्रश्न 8 दूसरा दृश्य किस समय तथा किस स्थान का है?

उत्तर दूसरा दृश्य दोपहर का समय शिवाजी के दुर्ग के कमरे का है।

प्रश्न 9 शिवाजी बालक की किस बात से प्रभावित थे?

उत्तर शिवाजी बालक की वीरता से प्रभावित थे।

प्रश्न 10 मालवजी शिवाजी के पास जल्दी कैसे पहुँच गया? उसने क्या कारण बताया?

उत्तर मालवजी अपनी माता से मेले पर उन्हें कुछ बताया नहीं यदि मालवजी सारी बातें मा को बता देते तो वह उसे शिवाजी तक पहुँचने नहीं देती।

प्रश्न 11 मालवजी ने शिवाजी से क्या भीख माँगी?

उत्तर मालवजी ने शिवाजी से भीख माँगते हुए कहा कि आप मेरी माँ की देख-रेख का समस्त भार अपने ऊपर ले लीजिए।

प्रश्न 12 मालवजी की बात सुनकर शिवाजी ने क्या कहा?

उत्तर मालवजी की बात सुनकर शिवाजी ने कहा सचमुच तुम क्षत्रिय हो, तुम्हारे जैसे पुत्रों पर भारत माता गर्व करती है।

प्रश्न 13 शिवाजी ने बालक के दुख के साथ अपने किस दुख की तुलना की?

उत्तर शिवाजी ने कहा वीर पुत्र जिस प्रकार तुम अपनी माता के दुख से दुखी होकर व्याकुल हो रहे हो उसी प्रकार मैं भी दुखी हूँ। रात-दिन मैं इसी चिंता में रहता हूँ कि किस प्रकार मैं भारतमाता का दुख दूर करूँ।

प्रश्न 14 अंत में मालवजी ने क्या प्रतिज्ञा की?

उत्तर अंत में मालवजी ने प्रतिज्ञा की कि जब तक शरीर में जान है, मैं कभी मातृभूमि की सेवा से पीछे नहीं हटूँगा।

(P.T.O)

Rajshree
PAGE NO.
DATE

लिखित प्रश्न - उत्तर

प्रश्न 1 "दिखावटी शोक" किसने किया और क्यों किया?

उत्तर "दिखावटी शोक" शिवाजी ने किया, जब मालवंजी उन्हें मारने आया।

प्रश्न 2 बालक ने कौन-सी प्रतिज्ञा की और क्यों की?

बालक ने प्रतिज्ञा की, कि जब तक मेरे शरीर में जान है, मैं मातृभूमि की सेवा से पीछे नहीं हटूँगा। क्योंकि वह एक वीर पुत्र था।

प्रश्न 3 मालवजी ने अपनी माँ को मृत्युदंड की बात क्यों नहीं बताई?

उत्तर मालवजी ने अपनी माँ को मृत्युदंड की बात इसलिए नहीं बताई क्योंकि मृत्युदंड की बात का पता चलने पर माँ उसे वापस आने नहीं देती और वह अपनी प्रतिज्ञा का पालन नहीं कर पाता।

प्रश्न 4 शिवाजी ने मालवजी को क्षमा क्यों किया?

उत्तर मालवजी एक वीर पुत्र थे और शिवाजी वीरों का आदर करते थे, इसलिए शिवाजी ने उन्हें क्षमा कर दिया।

प्रश्न 5 जीवन दान मिलने पर मालवजी ने शिवाजी को कौन-सा वचन दिया?

उत्तर जीवन दान मिलने पर मालवंजी ने शिवाजी को वचन दिया कि जब तक शरीर में जान है, मैं मातृभूमि की सेवा से पीछे नहीं हटूँगा।